श्लोक का उद्धरण

अनंत काल का सागर और उत्तम शांति

अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!
अनंत काल के बिसात पर आपकी आत्मा अपना पासा फेंकेगी! हे सर्व के परमधाम!
आपकी आत्मा के लिए वह स्फटिक फव्वारा खोलेगा! हे सृष्टि को प्राप्त करने वाले!
बढ़ते दुखों के बीच आपको पूर्ण शांति मिलेगी! हे समा स्तोत्रों के जापकर्ता!
हे बेचारे नन्हा नश्वर! जल्दी से उसके तरीके सीखो!
चलता फिरता तंबू को अपने घर के करीब लगाएं! हे ब्रह्मांड के निर्माता!
हम ब्रह्मांड के इस जंगल में और अधिक पीड़ित नहीं होंगे! हे अनंत स्व!
एकांत में हमसे मिलने के लिए सारा ब्रह्मांड बेसब्र हो रहा है! हे सर्वशक्तिमान प्रभु!
सर्द हवाएँ हमारी आत्मा को मुरझाने नहीं देंगे! हे पूर्ण अस्तित्व!
हमारी आत्माएँ चाँदी की तुरही की पुकार सुनेंगी! हे प्राचीन स्व!
समाधि अपनी जीत की घोषणा करने में विफल होगी! हे सहायता सफलता के लिए!
हमारी आत्माओं के चारों ओर देवदूत अपने सफेद पंख फैलाएंगे! हे ज्ञानियों के स्वामी!
हमारी आत्माएँ धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करेंगी जबकि रात की ओस आसवन कर रही है! हे सबके धाम!
परमेश्वर की संगति में ईमानदारी से चलें! हे देवों के स्वामी!
प्रेम की पवित्र धारा को खामोशी से खोजो! हे महाप्रभु!
पवित्र दुनिया को अपनी विस्मयकारी आँखों में भरने दें! हे मनोरम नेत्रों के स्वामी!
उस दुनिया में प्रवेश करें जहां हर अंतरात्मा अपने संघर्ष को समाप्त करती है! हे पुरुषों के नेता!
हज़ारों तूफ़ान उसके झुंड की नैया को डुबो नहीं सकते! हे शूरवीरों के स्वामी!
उसके प्यार का स्वाद चखने के लिए, सभी आत्माएँ लौकिक वृक्ष के नीचे इकट्ठी होंगी! हे महाप्रभु!
उसके अज्ञात प्यार पाने के लिए पूरा ब्रह्मांड बेचैन है! हे सर्वव्यापी प्रभु!
अपने ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर आप दिव्य अमृत का पान करोगे! हे अमृत पीनेवाले!
सुरक्षित रूप से पूरा ब्रह्मांड उनके पंखों के नीचे बसेगा! हे महान ऊर्जा के स्वामी! 114
पक्षियों की तरह आपको अपना घोंसला मिल जाएगा! हे सभी प्राणियों के निर्माता!
स्वर्गदूत रख रहे हैं करीबी नज़र! हे विश्व के सौंदर्य के निर्माता!
वह अपने रथ पर सवार होकर आपकी आत्माओं को अपने घर ले जाएगा! हे श्रेष्ठ विचार के स्वामी!
आपकी चमकती आँखों में दिव्य आभा दिखाई देगी! हे सर्वेश्वर!
तुम्हारे लिए प्रियजन बंदरगाह पर प्रतीक्षा करते हैं! हे महान दया के स्वामी!
अधिक गहराई से आप ऊपर की स्वर्गीय धाराओं से पी सकते हैं! हे पृथ्वी के स्वामी!

स्वर्ग द्वारा आपकी आत्मा के टूटे पंखों की मरम्मत की जाएगी! हे इंद्रियों के नियंत्रक!
स्वर्ग का शांत तट आपकी आत्मा देखेगी! हे अनन्त महिमाओं के स्वामी!
बेचैन समुद्र के उस पार प्रकाश का साम्राज्य है! हे पवित्र भूमि के स्वामी!
आपके जहाज पर बंदरगाह का सौभाग्यशाली रोशनी चमकता है! हे नगरों के विजेता!
स्फटिक ज्वार के प्रवाह का साक्षी रहे! हे क्षेत्र के ज्ञाता!
गोधूलि को रहस्यवादी दिन में विलीन होने का साक्षी बनें! हे अंधकार के नाश करने वाले!
हे आत्मा! आपने दीपक को धीमे धीमे जलने दो!
आनंदमय क्षण आ गया है अब आप स्वर्गीय द्वार देखेंगे! हे विश्व के स्वामी!
ब्रह्मांड की गोधूलि में आपकी आत्मा आनंद उठाएगी! हे सर्वव्यापी प्रभु!
दिव्य स्थिरता से पूरा ब्रह्मांड आपके आगमन की प्रतीक्षा कर रहा है! हे ब्रह्मांड के भोक्ता!
हे आत्मा! चुपचाप स्वर्ग की सीढ़ी चढ़ो!
उनकी आवाज सुनकर समुद्र शांत हो जाएगा! हे बुरे कर्मों के विनाशक!
पृथ्वी के सुंदर फूल अब और नहीं मुरझाएंगे और मरेंगे! हे सुख के दाता!
आपकी गूंगी अंधेरी दुनिया से केवल वही बोल सकता है! हे कामनाओं को पूरा करने वाले!
उसके लिए पूरा ब्रह्मांड धैर्य के साथ प्रतीक्षा करता है! हे ब्रह्मांड के पिता!
स्वर्ग को आप अपने हृदय में अनुभव कर सकते हैं! हे शांति के दाता!
गहरी दर्द लेके कब्र में न लेटें! हे सभी दिशाओं के स्वामी!
आप उससे भी आगे उड़ सकते हैं जो बाज के पंख उड़ सकते हैं! हे समस्त समृद्धि के स्वामी!
परमानंद के साथ आपका विवाह स्वर्ग को मंजूर होगा! हे सुख के दाता!
हे आत्मा साक्षी रहे इस रहस्यवादी समय के शुद्ध आनंद का! हे वरदानों के दाता!
रहस्यवादी दुनिया आखिरकार अपनी बात रखेगी! हे मनुष्यों के नेता!
आपके अंधकार और शर्म को देवताओं द्वारा खरीदा जायेगा! हे शत्रुओं का नाश करने वाले!
स्वर्ग ने आपको अंधेरे से बचाने की योजना बनाई है! हे अमरों के स्वामी!
इधर उधर न भटकने के लिए आप अंत में जाग उठेंगे! हे परमात्मा!
रहस्यवादी वर्षा के माध्यम से इंद्रधनुष का पता लगाएं! हे गुणों के वर्धक!
सुनिश्चित हो! देवदूत आएंगे हमारी भूमि तक! हे शाश्वत प्राणी!
स्वर्ग निश्चित रूप से हमें सोने के चम्मच से खिलाएगा! ओ प्रतिभा से भरा हुआ!
हमारी आत्मा निश्चित रूप से चमकते चाँद को महसूस करेगी! हे चन्द्रमा को जीवित करने वाले!
संदेह और भय उत्पन्न होने पर देवदूत हमें सांत्वना देंगे! हे महान निर्माता!
पथिक को अपना लक्ष्य खोजने में स्वर्ग मदद करेगा! हे महानतम से भी महान!
हमारी आत्माएं फूलों पर ओस की तरह ताजा होंगी! हे अविनाशी प्रभु!
अमर चट्टानों की छायाएं हमारी आत्माओं को पनाह देंगी! हे नश्वर!

लेखक के बारे में: लेखक श्री आनंद कृष्णा के रहस्यवादी लेखन और कविताएँ हमें रोज़मर्रा के मुद्दों जैसे कि इच्छा शक्ति की ताकत, समस्याओं से परे देखने की रचनात्मकता, सकारात्मकता के महत्व और सफलता के सही अर्थ से निपटने में मदद करती हैं। उन सभी के लिए जो महसूस करते हैं कि तनाव और घबराहट आधुनिक जीवन का एक अपरिहार्य तथ्य है, श्री आनंद कृष्णा की रहस्यवादी कविताएँ हमें याद दिलाती हैं कि हम में से प्रत्येक के भीतर सार्वभौमिक शांति और सद्भाव का एक आंतरिक केंद्र है जिसे हम अपनी इच्छा से प्राप्त करना सीख सकते हैं। श्री आनंद कृष्णा की रहस्यवादी कविताएँ और लेखन हमें सिखाते हैं कि भय, चिंता, क्रोध, घबराहट और मनोदशा पर कैसे काबू पाया जाए। उनका लेखन हमें यह भी सिखाता है कि कैसे वर्तमान में शांति से रहना है और सक्रिय रूप से केंद्रित रहना है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे आसपास क्या चल रहा है और हमें रहस्यवादी और विशाल कालातीतता और प्रत्येक क्षण की सुंदरता का अनुभव करना भी सिखाता है। लेखक की आध्यात्मिक और रहस्यवादी कविताएँ मानव हृदय और आत्मा की गहरी ज़रूरतों को पूरा करती हैं। इन कविताओं से पता चलता है कि कैसे हम अपनी दिव्य प्रकृति, हमारे अस्तित्व के मूल में उपेक्षित वास्तविकता को जागृत करके अपने शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए दैनिक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

लेखक अपने लेखन के माध्यम से इस मिथक को दूर करने में सफल होता है कि ईश्वर हमारी पहुंच से परे है और हमारे स्वयं से परे है। वह बताते हैं कि न केवल भगवान के साथ बातचीत करना संभव है बल्कि हमारी प्रार्थनाओं के लिए निश्चित प्रतिक्रिया प्राप्त करना और हमारे दिव्य स्वयं के साथ बातचीत करना भी संभव है। लेखक श्री आनंद कृष्णा हमें यह महसूस करने में मदद करते हैं कि वह अनंत और सर्वप्रिय अस्तित्व हम में से प्रत्येक के कितने करीब है। वह यह भी समझाते हैं कि हम अपनी प्रार्थनाओं और विचारों को इतना शक्तिशाली और प्रेरक कैसे बना सकते हैं कि वे रहस्यवादी ब्रह्मांड से एक ठोस प्रतिक्रिया लाएंगे। श्री आनंद कृष्णा द्वारा लिखी गई पुस्तकें पाठकों को कठोर, भौतिकवादी जीवन से रहित होने और गुणवत्ता द्वारा शासित शांतिपूर्ण शांति का जीवन जीने के लिए प्रेरित करती हैं, मात्रा नहीं। लेखक द्वारा लिखी गई आध्यात्मिक कविताएँ बहुत ही आसानी से समझ में आने वाले और सरल तरीके से जटिल मुद्दों से निपटती हैं, पाठकों को ध्यान और चिंतन के माध्यम से अपने भीतर की खोज करने के लिए आमंत्रित करती हैं। लेखक की शिक्षाएँ उस परिप्रेक्ष्य और दृष्टिकोण को बदल देती हैं जिसके साथ लोग जीवन का दृष्टिकोण रखते हैं, किसी की विचार प्रक्रिया को बदलकर सच्ची सामग्री और आध्यात्मिक सफलता और समृद्धि को आकर्षित करने के लिए। लेखक द्वारा लिखी गई पुस्तकें भौतिक और आध्यात्मिक दोनों बाधाओं को दूर करने की कुंजी पर भी प्रकाश डालती हैं। डर की प्राकृतिक भावनाओं और खो जाने की भावना से निपटना। लेखक गीता, उपनिषद, वेदांत, सूफी साहित्य और अन्य प्राचीन रहस्यमय कार्यों में प्रतिपादित रहस्यवादी दर्शन से बहुत प्रेरित हुए हैं। **लेखक आनंद सिंह (उपनाम: श्री आनंद कृष्णा) ने इस दुनिया और उसके बाहर मानव अस्तित्व के विभिन्न आध्यात्मिक पहलुओं पर लिखा है।**

कॉपीराइट © 2023 [आनंद सिंह (उपनाम: आनंद कृष्णा)]। सर्वाधिकार सुरक्षित।

विषयसूची

अध्याय १ - पवित्र जगमगाते सरोवर से मौन होकर पीना

- अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!
- जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!
- अनंत काल के बिसात पर आपकी आत्मा अपना पासा फेंकेगी! हे सर्व के परमधाम!
- आपकी आत्मा के लिए वह स्फटिक फव्वारा खोलेगा! हे सृष्टि को प्राप्त करने वाले!
- बढ़ते दुखों के बीच आपको पूर्ण शांति मिलेगी! हे समा स्तोत्रों के जापकर्ता!
- हे बेचारे नन्हा नश्वर! जल्दी से उसके तरीके सीखो!
- चलता फिरता तंबू को अपने घर के करीब लगाएं! हे ब्रह्मांड के निर्माता!

पवित्र सरोवर पर लोकप्रिय उद्धरण

अध्याय २ - चाँदी की तुरही की पुकार

- हम ब्रह्मांड के इस जंगल में और अधिक पीड़ित नहीं होंगे! हे अनंत स्व!
- एकांत में हमसे मिलने के लिए सारा ब्रह्मांड बेसब्र हो रहा है! हे सर्वशक्तिमान प्रभु!
- सर्द हवाएँ हमारी आत्मा को मुरझाने नहीं देंगे! हे पूर्ण अस्तित्व!
- हमारी आत्माएँ चाँदी की तुरही की पुकार सुनेंगी! हे प्राचीन स्व!
- समाधि अपनी जीत की घोषणा करने में विफल होगी! हे सहायता सफलता के लिए!
- हमारी आत्माओं के चारों ओर देवदूत अपने सफेद पंख फैलाएंगे! हे ज्ञानियों के स्वामी!
- हमारी आत्माएँ धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करेंगी जबकि रात की ओस आसवन कर रही है! हे सबके धाम!

पवित्र पुकार पर लोकप्रिय उद्धरण

अध्याय ३ - लौकिक वृक्ष का दिव्य अमृत

- परमेश्वर की संगति में ईमानदारी से चलें! हे देवों के स्वामी!
- प्रेम की पवित्र धारा को खामोशी से खोजो! हे महाप्रभु!
- पवित्र दुनिया को अपनी विस्मयकारी आँखों में भरने दें! हे मनोरम नेत्रों के स्वामी!
- उस दुनिया में प्रवेश करें जहां हर अंतरात्मा अपने संघर्ष को समाप्त करती है! हे पुरुषों के नेता!
- हज़ारों तूफ़ान उसके झुंड की नैया को डुबो नहीं सकते! हे शूरवीरों के स्वामी!
- उसके प्यार का स्वाद चखने के लिए, सभी आत्माएँ लौकिक वृक्ष के नीचे इकट्ठी होंगी! हे महाप्रभु!
- उसके अज्ञात प्यार पाने के लिए पूरा ब्रह्मांड बेचैन है! हे सर्वव्यापी प्रभु!
- अपने ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर आप दिव्य अमृत का पान करोगे! हे अमृत पीनेवाले!
- सुरक्षित रूप से पूरा ब्रह्मांड उनके पंखों के नीचे बसेगा! हे महान ऊर्जा के स्वामी! 114
- पक्षियों की तरह आपको अपना घोंसला मिल जाएगा! हे सभी प्राणियों के निर्माता!
- स्वर्गदूत रख रहे हैं करीबी नज़र! हे विश्व के सौंदर्य के निर्माता!
- वह अपने रथ पर सवार होकर आपकी आत्माओं को अपने घर ले जाएगा! हे श्रेष्ठ विचार के स्वामी!

लौकिक पेड़ पर लोकप्रिय उद्धरण

अध्याय ४ - स्वर्ग का शांत किनारा

- आपकी चमकती आँखों में दिव्य आभा दिखाई देगी! हे सर्वेश्वर!
- आपके लिए प्रियजन बंदरगाह पर प्रतीक्षा करते हैं! हे महान दया के स्वामी!
- अधिक गहराई से आप ऊपर की स्वर्गीय धाराओं से पी सकते हैं! हे पृथ्वी के स्वामी!
- स्वर्ग द्वारा आपकी आत्मा के टूटे पंखों की मरम्मत की जाएगी! हे इंद्रियों के नियंत्रक!
- स्वर्ग का शांत तट आपकी आत्मा देखेगी! हे अनन्त महिमाओं के स्वामी!
- बेचैन समुद्र के उस पार प्रकाश का साम्राज्य है! हे पवित्र भूमि के स्वामी!
- आपके जहाज पर बंदरगाह का सौभाग्यशाली रोशनी चमकता है! हे नगरों के विजेता!
- स्फटिक ज्वार के प्रवाह का साक्षी रहे! हे क्षेत्र के ज्ञाता!
- गोधूलि को रहस्यवादी दिन में विलीन होने का साक्षी बनें! हे अंधकार के नाश करने वाले!

- हे आत्मा! आपने दीपक को धीमे धीमे जलने दो!
- आनंदमय क्षण आ गया है अब आप स्वर्गीय द्वार देखेंगे! हे विश्व के स्वामी!
- ब्रह्मांड की गोधूलि में आपकी आत्मा आनंद उठाएगी! हे सर्वव्यापी प्रभु!
- दिव्य स्थिरता से पूरा ब्रह्मांड आपके आगमन की प्रतीक्षा कर रहा है! हे ब्रह्मांड के भोक्ता!
- हे आत्मा! चुपचाप स्वर्ग की सीढ़ी चढ़ो!

स्वर्ग पर लोकप्रिय उद्धरण

अध्याय ५ - उस से भी आगे जो गरुड़ के पंख उड़ सकते हैं

- उनकी आवाज सुनकर समुद्र शांत हो जाएगा! हे बुरे कर्मों के विनाशक!
- पृथ्वी के सुंदर फूल अब और नहीं मुरझाएंगे और मरेंगे! हे सुख के दाता!
- आपकी गूंगी अंधेरी दुनिया से केवल वही बोल सकता है! हे कामनाओं को पूरा करने वाले!
- उसके लिए पूरा ब्रह्मांड धैर्य के साथ प्रतीक्षा करता है! हे ब्रह्मांड के पिता!
- स्वर्ग को आप अपने हृदय में अनुभव कर सकते हैं! हे शांति के दाता!
- गहरी दर्द लेके कब्र में न लेटें! हे सभी दिशाओं के स्वामी!
- आप उससे भी आगे उड़ सकते हैं जो बाज के पंख उड़ सकते हैं! हे समस्त समृद्धि के स्वामी!

पवित्र पंख पर लोकप्रिय उद्धरण

अध्याय ६ - रहस्यवादी समय का शुद्ध आनंद

- परमानंद के साथ आपका विवाह स्वर्ग को मंजूर होगा! हे सुख के दाता!
- हे आत्मा साक्षी रहे इस रहस्यवादी समय के शुद्ध आनंद का! हे वरदानों के दाता!
- रहस्यवादी दुनिया आखिरकार अपनी बात रखेगी! हे मनुष्यों के नेता!
- आपके अंधकार और शर्म को देवताओं द्वारा खरीदा जायेगा! हे शत्रुओं का नाश करने वाले!
- स्वर्ग ने आपको अंधेरे से बचाने की योजना बनाई है! हे अमरों के स्वामी!
- इधर उधर न भटकने के लिए आप अंत में जाग उठेंगे! हे परमात्मा!
- रहस्यवादी वर्षा के माध्यम से इंद्रधनुष का पता लगाएं! हे गुणों के वर्धक!

रहस्यवादी समय पर लोकप्रिय उद्धरण

अध्याय ७ - सुनहरा चम्मच और चाँदी का चाँद

- सुनिश्चित हो! देवदूत आएंगे हमारी भूमि तक! हे शाश्वत प्राणी!
- स्वर्ग निश्चित रूप से हमें सोने के चम्मच से खिलाएगा! ओ प्रतिभा से भरा हुआ!
- हमारी आत्मा निश्चित रूप से चमकते चाँद को महसूस करेगी! हे चन्द्रमा को जीवित करने वाले!
- संदेह और भय उत्पन्न होने पर देवदूत हमें सांत्वना देंगे! हे महान निर्माता!
- पथिक को अपना लक्ष्य खोजने में स्वर्ग मदद करेगा! हे महानतम से भी महान!
- हमारी आत्माएं फूलों पर ओस की तरह ताजा होंगी! हे अविनाशी प्रभु!
- अमर चट्टानों की छायाएं हमारी आत्माओं को पनाह देंगी! हे नश्वर!

पवित्र चंद्रमा पर लोकप्रिय उद्धरण

अध्याय - १
पवित्र जगमगाते सरोवर से मौन होकर पीना

(कलाकार: विलियम-अडोल्फ बौगुएरेउ दिनांक: 1825-1905)

अनंत काल के समुद्र पर कविता

अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

(कलाकार: इवान ऐवाज़ोव्स्की दिनांक: 1817-1900)

वह प्रत्येक प्राणी को काम देगा और भूखों को भोजन देगा।

थके हुए को अनुग्रह के स्रोत तक ले जाया जाएगा।

उनके राज्य में सभी के लिए श्रम है।

अंधकार और बुराई की दुनिया जल्द ही गिर जाएगी।

भगवान का नाम ऊंचा होगा।

जोर से बजने वाले कोरस को सुनें जो मोक्ष मुक्त है।

अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

छूटे हुए लोग आवाज़ देंगे की मोक्ष मुक्त है।

विश्वासयोग्य के घर में उसका निवास होगा।

वह आपके परिश्रम के बदले एक वस्त्र और एक मुकुट देगा।

प्रभु की शक्ति में चुपचाप काम करो।

प्रात:काल उठकर दया के बीज बोओ।

प्रभु की कृपा से आपका अंधापन दूर होगा।

अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

चुपचाप कटनी और काटने के समय की प्रतीक्षा करो।

बह रही पवित्र हवाओं से आपका हृदय द्रवित हो उठेगा।

आनन्द से आओ और अपनी पूलियाँ ले आओ।

अंधेरा छंटने तक धैर्य रखें।

दोपहर के ज्वार और ओस की शाम को चुपचाप बोएं।

वे आपकी दिव्य पारी को पूर्ण करने में आपकी सहायता करेंगे।

अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

चुपचाप धूप में और छाया में बोओ।

आप पवित्र दुनिया से उनकी कृपा उधार लेंगे।

काले बादलों और सर्दी की ठंडी हवा से डरो मत।

स्वर्ग आपकी आत्मा को आराम देगा।

धीरे-धीरे आपकी कटनी और श्रम समाप्त हो जाएगा।

धीरे-धीरे ब्रह्मांड आपका मित्र बन जाएगा।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

जब आपका रोना समाप्त हो जाएगा, तब वह आपका स्वागत करेगा।
वह आपकी आत्मा को अपने दिव्य राज्य का केंद्र बना देगा।
वह सुनिश्चित करेगा कि आपकी आत्मा अब और शोक न करे।
वह यह सुनिश्चित करेगा कि अंधेरा निकल जाए।
सदा जाओ और गुरु के लिए बोओ।
उनकी कृपा आपके संसार को आपदा से बचाएगी।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

जल्दी करो हे आत्मा! रात आ रही है।
जगमगाती ओस से आपका हृदय भीग जाएगा।
सुबह के समय चुपचाप टहलें।
वसंत के फूलों के बीच चुपचाप चले।
उस क्षण की प्रतीक्षा करें जब दिन उज्जवल हो जाए।
उनकी कृपा और दया आपको योद्धा बनाएगी।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

अपनी आत्मा को प्राचीन चमकते सूरज में आनंदित होने दें।
वह सुनिश्चित करेगा कि आपका सारा काम हो गया है।
आपकी आत्मा के लिए दिव्य विश्राम निश्चित रूप से और जल्द ही आएगा।
दोपहर की धूप में चुपचाप काम करें।
अब आपके सबसे चमकीले समय श्रम से भरे नहीं होंगे।
देवदूत और देवता आपके पड़ोसी होंगे।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

अपने सभी पलों को संजोएं और चुपचाप उन्हें इकट्ठा करे।
रात को चुपचाप उठ जाना जब मनुष्य काम न करे।
वह आपके हर उड़ने वाले पल को बचाये रखने के लिए कुछ न कुछ देगा।
आप स्वर्ग से अधिक से अधिक मांग सकते हैं।
सूर्यास्त के आसमान के नीचे चुपचाप आराम करें।
निराश न हों क्योंकि दिन का उजाला मिटता है।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

आखिरी किरण को फिर से चमकने न दें।
अपने हाथों को चुपचाप उनके दिव्य भण्डार में डुबो दें।
सब्र रखो भले ही रात अँधेरी हो।
जगमगाते हुए पवित्र सरोवर से चुपचाप पियो।
वह यह सुनिश्चित करेगा कि आप खाली हाथ न जाओ।
अँधेरे में आपकी आत्मा अब और नहीं फंसेगी।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

(कलाकार: यूस्टैच ले सुएर दिनांक: 1617-1655)

अपनी सारी उपहार उसके चरणों में रख दो।
उद्धारक के साथ हर प्राणी मिलेंगे।
अपनी आत्मा में दिव्यता के साथ आप उसे नमस्कार करेंगे।
आप खाली हाथ जाओ और उससे मिलो।
एक भी प्राणी ऐसा नहीं होगा जो उसका अभिवादन न करे।
एक भी आत्मा ऐसी नहीं होगी जो उससे न मिले।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

मृत्यु की रात आपकी आत्मा पर हावी न हो।
अंधकार और बुराई आपके लक्ष्य को नहीं छिपाएंगे।
मृत्यु आपको सिकुड़ने या लड़खड़ाने नहीं देगी।
आपकी आत्मा ही वेदी कर सकती है।
उसकी इच्छा के आगे आप खुशी से झुकोगे।
वह आपके हृदय की गहराइयों में दिव्यता के बीज बोएगा।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

स्वर्ग उन सभी हृदयों को जगाएगा जो गंभीर हैं।
देवता उस आत्मा के लिए प्रयास करेंगे जो महानतम है।
शीघ्र ही देवता की तुरही बजेगी।
चारों ओर अब अँधेरा नहीं रहेगा।
हर सुबह शाश्वत, उज्ज्वल और निष्पक्ष होगी।
आपकी लड़ाई लड़ने के लिए वह वहां होगा।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

सभी पवित्र आत्माएं दूसरे किनारे पर एकत्रित होंगी।
आप उस उज्ज्वल दुनिया के साक्षी बनेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा।
उस चमकदार और बादल रहित सुबह में मुर्दे जी उठेंगे।
उनके पुनरूत्थान की महिमा प्रत्येक आत्मा का पुरस्कार होगी।
चुने हुए लोग आकाश से परे अपने घर में इकट्ठे होंगे।
हर आत्मा अपने अंधकार और झूठ को त्याग देगी।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

जल्द ही पृथ्वी पर आपका काम पूरा हो जाएगा।
आप भोर से सूर्यास्त तक फिर परिश्रम न करना।
जल्द ही पूरी जिंदगी खत्म हो जाएगी।
जल्द ही अंधेरा अपना आवरण हटा देगा।
उसके अद्‌भुत प्रेम और देखभाल पर चुपचाप विचार करें।
कोई बदलाव नहीं आपका दिल बख्शेगा।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

जो देवता से प्रेम रखते हैं, वे सब अपना आनन्द प्रगट करें।
सद्भाव का गीत गाओ और उसके सिंहासन को घेर लो।
चुपचाप स्वर्गीय राजा के बच्चों में शामिल हों।
हर आत्मा को गहराई से गाने दो।
मधुर सद्भाव के साथ आपको विदेश में अपनी खुशियाँ गानी चाहिए।
देवदूत और देवता चुपचाप तालियाँ बजाएँगे।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

आपका विश्वास और आशा शीघ्र ही बढ़ेगी।
आपके चेहरे पर उसकी रोशनी दिखेगी।
आप के आसपास सांसारिक पर आकाशीय फल मिल जाएगा।
अँधेरा आपको फिर अंधा नहीं बनाएगा।
आपकी आत्मा जल्द ही स्वर्गीय क्षेत्रों में पहुंच जाएगी।
आप जल्द ही सुनहरी सड़कों पर चलेंगे।
अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

प्राचीन वृक्ष हजारो पवित्र फल देगा।
आपकी आत्मा जल्द ही प्राचीन बांसुरी बजाना सीख जाएगी।

आप उसके अनुग्रह की नदियों में से सदा पीते रहोगे।

आकाशीय मैदानों में चलते हुए आप उसका मुख देखोगे।

दूसरे किनारे पर पहुँचने पर आप कभी पाप नहीं करोगे।

अंतहीन सुखों में आपकी आत्मा पी जाएगी।

अनंत काल पुराने समुद्र से आपकी संमंध गहरी होगी! हे सदा-विजयी प्रभु!

Arevakhach: *Arevakhach (literal translation: "Solar Cross") is one of the ancient Armenian symbols of eternity and light. It is often used as decoration on pagan monuments and Armenian cross-stones. Variants with different numbers of petals and directions of rotation are used in Armenia. In 2013 both leftward and rightward rotating symbols were included into Unicode character set standard. Arevakhach is to date in popular use in Armenia.* ***(Source: http://en.wikipedia.org/wiki/Solar_symbol)***

पवित्र तालाब पर कविता

जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

(कलाकार: जॉन विलियम वॉटरहाउस दिनांक: 1849-1917)

वह यह सुनिश्चित करेगा कि हर आंसू सूख जाए।

धीरे-धीरे आप उच्च पर न्यायपूर्ण दुनिया की ओर चल पड़ोगे।

अमर भूमि के माध्यम से चुपचाप चले।

पूरे ब्रह्मांड में आपका गायन लाजिमी है।

उसी से आपका उद्धार होगा।

आपकी आत्मा शांति का द्वारपाल बनेगी।

जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

पवित्र पहाड़ियों पर अपनी अभिलाषा भरी आँखें उठाओ।

अनंत काल के बिसात पर आपकी आत्मा अपना पासा फेंकेगी।

उससे आपकी निश्चित सहायता आएगी।

उसकी स्तुति करो जिसे स्वर्ग और पृथ्वी ने बनाया है।

लापरवाह नींद के माध्यम से आपकी पलकें बंद नहीं होंगी।

कठोर सर्दी में वह आपकी आत्मा को प्रकट नहीं करेगा।

जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

आपकी पूरी दुनिया वह अपनी पवित्र देखभाल में रखेगा।

अन्धकार और बुराई को वह फिर न छोड़ेगा।
वह आपकी आत्मा को लापरवाह नींद से मुक्त करेगा।
वह आपकी आत्मा को अपने पवित्र सदस्य से डायल करेगा।
दिन का जलता हुआ सूरज अब और नहीं सताएगा।
खामोश रात में कोई चाँद आपको नुकसान नहीं पहुँचाएगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

वह आपके प्राण को हर एक बुराई और पाप से दूर रखेगा।
स्वर्ग आपके बाहर जाने और अंदर आने को गौर से देखेगा।
अनंत काल आपकी आत्मा को हमेशा और अधिक रखेगा।
उसे ब्रह्मांड अंतहीन पूजा करेगा।
स्वर्गीय प्रेम में बने रहना कोई परिवर्तन नहीं आपका हृदय डरेगा।
वह आपके हर आंसू को पोंछ देगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

अपने दिल के अंदर पवित्र तूफान देखें।
पूरे ब्रह्मांड को अपनी आत्मा को एक दिव्य शुरुआत देते हुए देखें।
सर्वशक्तिमान ईश्वर में गुप्त रूप से विश्वास करें।
वह सभी औचित्य का गुप्त स्रोत है।
अगर आपका दिल नीचा है तो डरें नहीं।
चुपचाप आपकी नाव वह खींच लेगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

वह लगातार आसपास है और आप निराश नहीं होंगे।
अमर सोने के सिक्कों के साथ आपकी आत्मा का भुगतान किया जाएगा।
चुपचाप उसके साथ चलो क्योंकि वह जानता है कि वह किस रास्ते पर चल रहा है।
आपकी दृष्टि कभी मंद न होगी, और वह आपकी बुद्धि को जगाएगा।
वह आपके पास रहेगा और आपको किसी वस्तु की घटी न होगी।
वह हमेशा के लिए आपका मार्गदर्शन करेगा और कोई कमी आपको पीछे नहीं हटा पाएगी।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

आपके उद्धारकर्ता के पास आपका सारा खजाना है।
उनकी कृपा और दया को आप माप नहीं सकते।
उज्ज्वल आकाश जल्द ही आपकी आत्मा पर छा जाएगा।

काले बादल अब आपके लक्ष्य को नहीं छिपाएंगे।
आपकी आत्मा उन हरी चराइयों में चरेगी जिन्हें आपने अब तक नहीं देखा है।
वह आपकी आत्मा को निर्दोष रूप से शुद्ध करेगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

(कलाकार: हेनरी मार्टिन दिनांक: 1860-1943)

आपके जीवन का मार्ग स्वतंत्र है और वह आपके साथ चलेगा।
आपकी आशा को आपके अलावा कोई नहीं माप सकता।
उसकी करुणा कभी नहीं मिटती और वह नहीं बदलता।
अनंत काल को दिव्य गांठ बांधते हुए देखें।
हर पल नई दया आप देखेंगे।
आपकी आत्मा जल्द ही स्वर्ग की याचना सुनेगी।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

जैसा वह सदा से है, वैसा ही रहेगा।
कोई छाया और अंधेरा आप नहीं देखेंगे।
आपकी सभी जरूरतें उसके हाथ प्रदान करेंगे।
मृत्यु और अन्धकार अब विभाजित नहीं होंगे।
उसका विश्वास महान है और उसकी विश्वासयोग्यता महान है।
उसकी दया की मांग आप पूरे हियाव से करोगे।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

वह आपके पाप क्षमा करेगा और वह शान्ति देगा जो सदा बनी रहती है।
वह अन्धकार और आकर्षण को दूर करेगा।
उनकी अपनी प्रिय उपस्थिति हर प्राणी को प्रसन्न करेगी और उनका मार्गदर्शन करेगी।
उन हजार आत्माओं में शामिल हों जो खुशी से गाएंगी।
वह आपको आज के लिए पूरी ताकत देगा।
उसकी फुसफुसाहट सुनकर आपके पास कहने के लिए कुछ नहीं होगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

वह कल के लिए आपकी उज्ज्वल आशा का एकमात्र स्रोत है।
उनके प्रकाश की दुनिया से आप उधार लेंगे।
आपके दिल से दुख और दुख दूर हो जाएंगे।

आप शीघ्र ही सीधे हृदय वालों के साथ मिल जायेंगे।
प्रभु में आनन्दित रहो और सदा आनन्दित रहो।
स्वर्ग उसे हमेशा के लिए आपका चुनाव बना देगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

पृथ्वी और स्वर्ग पर वह सर्वोच्च शासन करता है।
वह आपको चरम संसार से बचायेगा।
वह आपके संसार को अपने वचन के द्वारा गढ़ेगा और उस पर शासन करेगा।
उसकी शक्तिशाली और पराक्रमी तलवार के द्वारा आप छुड़ाए जाओगे।
हक़ के संघर्ष में आपके शत्रु फिर प्रबल न होंगे।
उन शत्रुओं से मत डरो जो आक्रमण करते हैं।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

अमर सेनाएं फिर आपकी दृष्टि से छिपी न रहेंगी।
हर प्राणी दिव्य लड़ाई में शामिल होगा।
उस पर तब तक आंख मूंदकर भरोसा करें जब तक खतरा टल न जाए।
मृत्यु और अन्धकार फिर न रहेगा।
आप वीणा और सारंग और ऊंचे स्वर से उसका भजन गाएगा।
वह ब्रह्मांड को उसकी सारी अच्छाई से मुक्त कर देगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

पवित्र आकाश रात तक फिर से मेघाच्छादित नहीं होगा।
उस पर तब तक आंख मूंदकर भरोसा करें जब तक खतरा टल न जाए।
आपकी आत्मा को कुछ भी निराश नहीं करेगा।
अँधेरा आपके दिन को और नहीं घेरेगा।
आप उसकी शरण के लिए अंधेरी दुनिया से भाग जाएंगे।
वह अपने उत्तम वचन में आपके विश्वास के लिए दृढ़ नींव डालेगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

जितना उसने आपसे कहा है, उससे अधिक वह और कुछ नहीं कह सकता।
वह आपका भगवान है और हमेशा के लिए आपको सहायता देगा।
वह आपको मजबूत करेगा, मदद करेगा और आपको खड़ा करेगा।
उसके धर्मी और सर्वसामर्थी हाथ के द्वारा आप सम्भाले जाओगे।
मत डर, वह आपके संग रहेगा, और आपका मन कच्चा न हो।

डरो मत पूरा ब्रह्मांड आपकी सहायता के लिए आएगा।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

वह आपके गहनतम संकट को पवित्र करेगा।
वह आपके सब परीक्षणों पर आशीष देगा।
दु:ख और दुख की नदियाँ अब नहीं बहेंगी।
उसके कहने पर आप गहरे जल में से चले जाओगे।
उग्र परीक्षणों के माध्यम से आपका मार्ग झूठ होगा।
उनकी सभी पर्याप्त कृपा पूर्ण आपूर्ति में होगी।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

उसकी पवित्र ज्वाला से आपका मैल भस्म हो जाएगा।
आप उसके पवित्र नाम का सदा स्मरण करो।
सोना आपका अस्तित्व है वह शुद्ध करेगा।
पूरी तरह से आपकी आत्मा को उसने रूप दिया है।
हमेशा के लिए उनका प्यार ब्रह्मांड साबित करने का प्रयास करेगा।
क्योंकि आप उसके प्रभुसत्ता सम्पन्न, शाश्वत और अपरिवर्तनीय प्रेम होगे।
जगमगाते पवित्र सरोवर से मौन होकर पियो! हे ब्रह्मांड के भगवान!

Diving Deep into Water Meanings: *The symbolism of water has a universal undertone of purity and fertility. Symbolically, it is often viewed as the source of life itself as we see evidence in countless creation myths in which life emerges from primordial waters.*

Interestingly, we are all made of water, and so we can liken many of these myths and allegories to our own existence (the macrocosm mirroring the microcosm and vice versa). Further, we can incorporate symbolism of circulation, life, cohesion and birth by associating the creative waters of the earth with the fluids found in our own body (i.e., blood). ***(Source: http://www.whats-your-sign.com/symbolism-of-water.html)***